शेयर बाजार : 28 अंक तेजी के साथ 31,596 के स्तर पर बंद हुआ सेंसेक्स, फॉर्मा स्टॉक्स में रही तेजी

एजेंसी

मुंबई : कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन शेयर बाजारों में तेजी पर कारोबार का अंत हुआ. सेंसेक्स 28 अंक तेजी के साथ 31596 के स्तर पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 9857 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं बीएसई मिडकैप शेयरों में भी तेजी देखी गई. फॉर्मा स्टॉक्स में तेजी रही और ऑरबिंदो फॉर्मा के स्टॉक्स सर्वाधिक उछले. आज इंफोसिस और टीसीएस में 1 फीसदी की तेजी दर्ज की गई. बीएसई में आईटी, धातु, टेक, हेल्थकेयर, पावर और एफएमसीजी समूहों की कंपनियों में बढ़त देखने को मिली. विश्लेषकों ने बताया कि अन्य एशियाई बाजारों की तेजी से घरेलू बाजार को समर्थन मिला है. घरेलू संस्थागत निवेशकों के लिवाल बने रहने से भी बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा है. नंदन नीलेकणि के कंपनी के शीर्ष पद पर वापस लौटने के कयासों के कारण देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस सर्वाधिक 1.62 फीसदी की बढ़त में रही. सन फार्मा, टाटा मोटर्स, ल्यूपिन, पावरग्रिड,

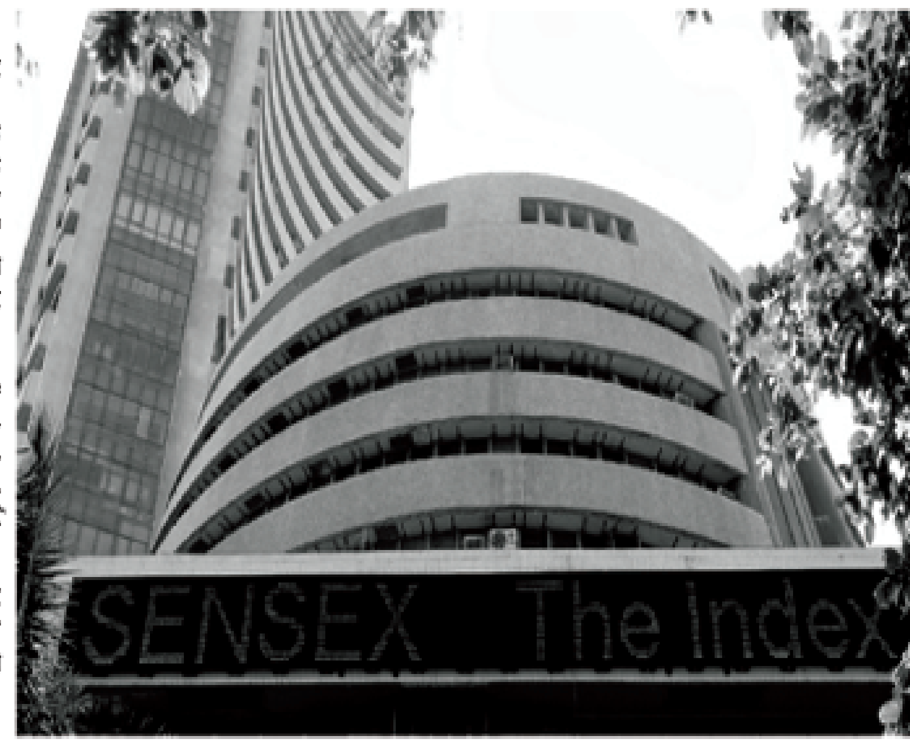

एनटीपीसी, सिप्ला, हीरो मोटोकॉर्प, एलएंडटी, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, आईटीसी लिमिटेड, ओएनजीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.23 प्रतिशत तक चढ़े. आज सुबह अमेरिकी बाजार की नरमी के बीच एशियाई बाजारों के सकारात्मक संकेतों के बल पर घरेलू बाजार आज शुरुआती कारोबार में बढ़त में रहे और सेंसेक्स 110 अंक मजबूत हो गया. बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 110.18 अंक यानी 0.34 फीसदी की बढ़त लेकर 31,678.19 अंक पर रहा. पिछले दो कारोबारी सत्र में यह 309.16 अंक मजबूत हो चुका है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 29 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,881.50 अंक पर रहा. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक रैली में कहा था कि मैक्सिको से लगती सीमा पर दीवार बनाने के लिए धन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को वह अपनी सरकार तक ठप कर सकते हैं. उनके इस बयान से अमेरिकी बाजार प्रभावित हुआ.

जियो फोन की बुकिंग शुरू होते ही ठप हुई वेबसाइट, ऐप भी हुआ डाउन

नई दिल्ली : जियोफोन की प्री-बुकिंग के लिए इंतजार में बैठे लोगों को बुकिंग शुरू होने के बाद भी इंतजार ही करना पड़ा. शाम को ठीक साढ़े पांच बजते ही जैसे ही वेबसाइट पर प्री-बुकिंग शुरू हुई, तो लाखों लोगों ने एकसाथ साइट पर फोन के बुकिंग शुरू की. एकसाथ बड़ी संख्या में लोगों का साइट पर आने से साइट इस बोझ को सहन नहीं कर पाई और ठप हो गई. मायजियो ऐप भी एकदम डाउन हो गया. आलम यह रहा कि कई लोग तो वेबसाइट ही नहीं खोल पाए.कंपनी ने फोन की बुकिंग के लिए दो प्लेटफार्म वेबसाइट और ऐप दिए थे. दोनों ही प्लेटफार्म पर लोगों को निराशा हाथ लगी. बता दें कि दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो के चर्चित जियोफोन की प्री-बुकिंग गुरुवार की शाम शुरू हुई. कंपनी इस फोन के जरिए देश के लगभग 50 करोड़ फीचर फोन उपभोक्ताओं तक पहुंचने का लक्ष्य रखा था और हर सप्ताह 50 लाख फोन सप्लाई करने का टारगेट रखा था. फोन की प्री-बुकिंग भुगतान राशि 500 रुपये रखी थी और कंपनी की वेबसाइट व ऐप 'मायजियो' तथा रिलायंस डिजिटल आदि स्टोर पर बुकिंग की व्यवस्था की थी. कंपनी ने इस फोन की कीमत जमानत राशि के रूप में 1500 रुपये रखी है. प्रीबुकिंग के समय 500 रुपये जमा करवाने होंगे जबकि बाकी 1000 रुपये फोन मिलने पर अदा करने होंगे. कंपनी का कहना है कि अगर कोई ग्राहक तीन साल यानी 36 महीने बाद जियोफोन लौटाता है तो उसे 1500 रुपये लौटा दिए जाएंगे. इस तरह से जियोफोन की प्रभावी कीमत शून्य रुपये रहेगी. कंपनी के अनुसार ?4जी प्रौद्योगिकी वाला उसका यह हैंडसेट भारत में, भारतीयों द्वारा व भारतीयों के लिए बनाया गया है. रिलायंस जियो के ग्राहक जियोफोन के जरिए 153 रुपये मासिक में अनलिमिटेड डेटा का इस्तेमाल कर सकेंगे. इसके साथ ही कंपनी ने 53 रुपये का साप्ताहिक प्लान व 23 रुपये में दो दिन का प्लान भी पेश किया है. कंपनी के ग्राहकों के लिए वायस कॉल हमेशा के लिए निःशुल्क है.

बैंक ऑफ इंडिया ने बचत बैंक खातों पर ब्याज दर 0.50 फीसद घटाई

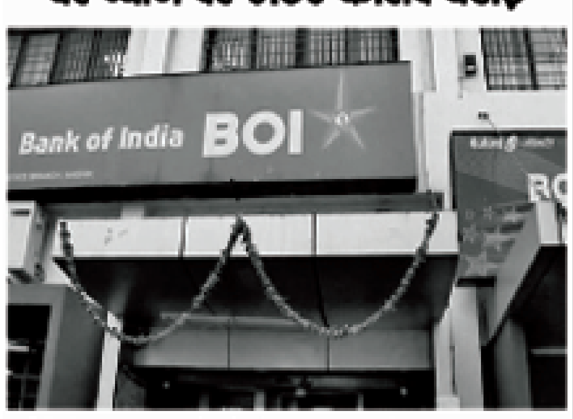

नई दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया ने 50 लाख रुपये तक के बचत बैंक खातों में जमा राशि पर दी जाने वाली ब्याज की दर 0.50 फीसद कम कर 3.5 प्रतिशत कर दी है. हालांकि 50 लाख रुपये से अधिक की बचत बैंक खाते की राशि पर चार प्रतिशत की दर से ब्याज मिलता रहेगा. बैंक ने बंबई शेयर बाजार को बताया, "बैंक बचत-बैंक खाते पर आज से दो स्तरीय ब्याज दर लागू कर रहा है." इससे पहले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सबसे पहले 31 जुलाई को बचत बैंक खाते पर ब्याज घटाया था. उसने ऐसे खातों में एक करोड़ रुपये या उससे कम की जमा राशि पर ब्याज 0.50 फीसदी घटाकर 3.5 प्रतिशत कर दिया था. उसके बाद एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक जैसे निजी बैंकों ने भी बचत बैंक खातों पर ब्याज दर कम कर दी है. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा और कर्नाटका बैंक भी ब्याज दर घटा चुके हैं.

एचडीएफसी एर्गो ने एचडीएफसी जनरल इंश्योरेंस के साथ विलय पूरा किया

रांची : एचडीएफसी एर्गोजनरलइंश्योरेंस ने आज एचडीएफसीजनर लइंश्योरेंस (पहले एलएंडटीजनरलइंश्योरेंस के नामसे मशहूर) के साथ विलय पूरा किये जाने की घोषणा की है। एचडीएफसी एर्गोजनरलइंश्योरेंस भारत की तीसरी सबसे बड़ी गैर-जीवनबीमाकंपनीहै। इनदोनोंकंपनियोंकाविलय भारत में गैर-जीवनबीमा सेक्टर में इसतरह का पहला एकीकरणहै। नेशनलकंपनीलॉट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) द्वारा विलय की मंजूरी और आईआरडीएआई से अंतिम मंजूरी की प्रति के अनुसार यह विलय 16 अगस्त 2017 से प्रभावी होगाहै।विलय हुई कंपनी का नाम एचडीएफसी एर्गोजनरलइंश्योरेंसकंपनी लिमिटेड होगाहै। इस अवसर पर श्रीरितेशकुमार, एमडी और सीईओ, एचडीएफसी एर्गो जनरलइंश्योरेंस ने कहा, "यह हमसभी के लिए एक गौरवपूर्ण पल वित्त वर्ष में 72.8 प्रतिशत का जबरदस्त विकास दर्ज किया था और साथ ही इस की बाजार हिस्सेदारी भी 3.5 प्रतिशतसे बढ़कर 4.6 प्रतिशतहो गई थी। विलय हुई कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 4.9 प्रतिशत थीकंपनी का विकास निरंतर जारी र हा और 30 जून 2017 को समाप्त हुई अवधि मेंइसकी बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 5.25 प्रतिशत पहुंच गई। मौजूदा वर्ष में, एचडीएफसी एर्गो की योजनाएं पालसाथ क ो और बढ़ाने तथा टियर 2 व टियर 3 कस्बों एवं शहरों में इसकी पहुंचका विस्तार करने की हैइसके साथ ही कंपनी एक उत्कृष्ट डिजिटलप्लेटफॉर्म पर उन्नत ग्राहक अनुभव प्रदान करने की योजना भी बना रही है।

इंतजार खत्म! रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अब ला रहा है 200 रुपये का नोट

एजेंसी

नई दिल्ली : रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कहा है कि यह 200 रुपये का नोट 25 अगस्त यानी शुक्रवार को जारी करने जा रही है. महात्मा गांधी (न्यू) सीरीज के तहत इस नोट को रिलीज किया जाएगा. यह आरबीआई के कुछ चुनिंदा कार्यालयों और कुछ बैंकों में पहले रिलीज किया जाएगा. आरबीआई ने इस नोट का सैंपल जारी करते हुए इसके फीचर्स की भी जानकारी दी. बता दें कि विशेषज्ञों का कहना है कि 200 रुपये का नोट आ जाने से लेनदेन आसान हो जाएगा. हाल ही में सरकार ने 22 साल के अंतराल के बाद एक रुपये के नोट को भी दोबारा जारी करने का फैसला किया था. एक रुपये का नोट वर्ष 1994 में बंद कर दिया गया था. इसी के बाद दो रुपये तथा पांच रुपये के नोट भी बंद कर दिए गए थे, ताकि प्रिंटिंग प्रेसों में बड़ी रकम वाले नए नोट छापे जा सकें. आइए जानें 200 रुपये के नोट से जुड़ी जरूरी बातें : यह पहली बार होगा कि देश में 100 और 500 रुपये के बीच का कोई नोट जारी होने जा रहा है. आरबीआई ने बताया है कि 200 रुपये के नोट में पीछे की ओर सांची स्तूप का मोटिफ दिया गया है. नोट का बेस कलर चमकीला पीला रखा गया है और महात्मा गांधी की तस्वीर नोट के बीचोंबीच है. नोट में और भी कई डिजाइन, जियोमैट्रिक पैटर्न और अगले व पिछले हिस्से में एक खास तरह की कलर स्कीम का प्रयोग किया गया है. नोट के पिछले हिस्से में स्वच्छ भारत का लोगो है और किस साल में नोट को प्रिंट किया गया है, यह नोट के लेफ्ट में छपा होगा. वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में बुधवार को कहा था कि रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की सिफारिशों के मद्देनजर केंद्र सरकार 200 रुपये का बैंक नोट जारी करने की अनुमति देती है. पिछले साल नवंबर में नोटबंदी की घोषणा के बाद केंद्रीय बैंक ने 500 रुपये का नया नोट जारी किया था और साथ ही 2,000 रुपये का नोट पेश किया था.

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन की किताब 4 सितंबर से बाजार में मिलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व और चर्चित गवर्नर रघुराम राजन के आलेखों और भाषणों पर आधारित किताब अगले महीने बाजार में आएगी. प्रकाशन संस्थान हार्परकोलिंस इंडिया द्वारा प्रकाशित यह किताब 'आई डू वॉट आई डू- ऑन रिफार्म, रेटोरिक एंड रिसोल्व' चार सितंबर को बिक्री के लिए उपलब्ध होगी. किताब में रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में राजन के आलेखों तथा भाषणों को शामिल किया गया है. अपनी इस किताब में राजन ने सहिष्णुता तथा राजनीतिक आजादी तथा संपन्नता के बीच संबंध जैसे मुद्दों पर बात बात की है. उल्लेखनीय है कि राजन ने सितंबर 2013 में जब गवर्नर के रूप में कार्यभार संभाला तो रुपया लगातार गिर रहा था, मुद्रास्फीति ऊंची थी, चालू खाते का घाटा बढ़ा था जबकि विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आ रही थी. राजन इससे पहले भी दो किताबें लिख चुके हैं.

एक बार फिर इंफोसिस में नंदन नीलेकणि की वापसी की वकालत, 2007 तक रहे थे कंपनी के सीईओ

इन्फोसिस के संस्थागत निवेशकों का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब 12 कोष प्रबंधकों ने कंपनी के सह संस्थापक एवं पूर्व मुख्य कार्यकारी नंदन नीलेकणि को इन्फोसिस के निदेशक मंडल में वापस लाने का सुझाव दिया है. कोष प्रबंधकों का कहना है कि इससे अंशधारकों का भरोसा फिर कायम किया जा सकेगा और कंपनी के संकट को हल किया जा सकेगा. नीलेकणि की वापसी की वकालत करने का दूसरा मौका है. इससे पहले निवेश सलाहकार कंपनी आईआईएएस ने कहा था कि नीलेकणि को कंपनी के गैर कार्यकारी चेयरमैन के रूप में वापस लाया जाना चाहिए. नीलेकणि मार्च, 2002 से अप्रैल, 2007 तक कंपनी के सीईओ रहे थे. इसके बाद वह भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) प्रमुख के पद पर रहे. उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह इन्फोसिस के पहले गैर-संस्थापक सीईओ बने विशाल सिक्का ने अपने पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था. इसके बाद लगातार दो सत्रों में कंपनी का शेयर 15 प्रतिशत टूट गया था और उसके बाजार पूंजीकरण में 34,000 करोड़ रुपये की कमी आई थी. कंपनी के 12 कोष प्रबंधकों ने एक संयुक्त पत्र में कहा है कि हालिया घटनाक्रम काफी चिंता का विषय है. सूत्रों ने बताया कि यह पत्र अन्य लोगों के अलावा इन्फोसिस के चेयरमैन को भी लिखा गया है. कोष प्रबंधकों ने कहा कि ये देश के प्रमुख संस्थागत निवेशकों का प्रतिनिधित्व करते हैं. इनमें से प्रत्येक इन्फोसिस में शेयरधारक है. उन्होंने कहा कि प्रत्येक अंशधारक चाहे वह ग्राहक हो, शेयर धारक या कर्मचारी हो, उसका नीलेकणि में विश्वास है.

नेचरफ्रेश सम्पूर्ण चक्की आटा है ग्राहकों का पहला विकल्प : कंज्यूमर वॉयस ने किया खुलासा

संवाददाता

रांची : नेचरफ्रेश सम्पूर्ण चक्की आटा, पैकेज्ड आटा की श्रेणी में भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड है। कम्पेरेटिव प्रोडक्ट टेस्टिंग (सीपीटी) के परिणामों में नेचरफ्रेश सम्पूर्ण चक्की आटा को पैकेज्ड व्हीट आटा श्रेणी में नंबर 1 स्थान दिया गया है। यह टेस्टिंग ग्राहक शिक्षा के हित में वॉलंटरी ऑर्गनाइजेशन इन इंटरेस्ट ऑफ कन्ज्यूमर एजुकेशन के द्वारा की गई। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा सम्मानित एवं समर्थित वायस ने देश में 10 लोकप्रिय आटा ब्रांडों पर यह परीक्षण किया। इसका इरादा ग्राहकों को आटा ब्रांड में सही निर्णय लेने के लिए पक्षपात रहित जानकारी देना था। इसमें विभिन्न मानकों के आधार पर अलग-अलग ब्रांड्स का परीक्षण, तुलना एवं रैंकिंग की गई। इन मानकों में प्रोटीन, ग्लूटेन, कार्बोहाइड्रेट, कैलोरिफिक वैल्यू, डायटरी फाइबर, नमी आदि शामिल थे। तुलनात्मक परीक्षण की विधि एवं प्रक्रिया भारतीय मानक, खाद्य सुरक्षा, स्टैंडर्ड रेगुलेशंस एवं प्रमाणिकता दिये गये दिशानिर्देशों और सुझावों पर आधारित थी। इस सम्मान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये देवकी मुच्छल, मैनेजिंग डाइरेक्टर, कारगिल फूड्स इंडिया ने कहा, "कारगिल फूड्स इंडिया अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता के उत्पाद प्रदान करने पर ध्यान देता है। हमारा हर दिन यह प्रयास रहता है कि हम अपने ग्राहकों को हमारे ब्रांडों के जरिये सुरक्षित, पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक तेल, फैट्स एवं आटा उपलब्ध करायें। 'नेचरफ्रेश सम्पूर्ण' तेजी से आगे बढ़ रहा आटा ब्रांड है जोकि उच्च डायटरी फाइबर्स के साथ चक्की का आटा मुहैया कराता है। हम अपने ग्राहकों को भविष्य में भी स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए अपने प्रयासों को जारी रखेंगे।" इस उपलब्धि पर आशिम सान्याल, सीओओ, वॉयस ने टिप्पणी करते हुये कहा, "कंज्यूमर वॉयस ने हमेशा ग्राहकों को अच्छी गुणवत्ता के उत्पाद देने के लिए ब्रांडों के प्रयासों को सराहा है। इस दिशा में कारगिल का प्रयास हाल में प्रकाशित हमारे कम्पेरेटिव प्रोडक्ट टेस्टिंग ऑफ पैकेज्ड आटा में साबित भी हुआ है। इस रेटिंग में नेचरफ्रेश सम्पूर्ण चक्की आटा को पहले पायदान पर रखा गया है। इसके लिये मैं कारगिल को बधाई देता हूं।

अश्विनी लोहानी की जगह राजीव बंसल होंगे एयर इंडिया के अंतरिम प्रमुख

नई दिल्ली : एयर इंडिया के प्रमुख अश्विनी लोहानी को इस पद से हटाकर रेलवे बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया गया है और उनकी जगह पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजीव बंसल को तीन महीने के लिए एयर इंडिया का चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बनाया गया है. पेट्रोलियम मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार बंसल पहले भी सिविल एविएशन मिनिस्ट्री में काम कर चुके हैं. नागालैंड कैडर के 1988 बैच के आईएएस अधिकारी बंसल ऐसे समय एयर इंडिया की सीएमडी की जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं, जब सरकार घाटे में चल रही एयरलाइंस के विनिवेश के तौर-तरीकों पर गौर कर रही है.

डेल ईएमसी ने रांची में फेडरेशन ऑफझारखंड चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज से गठजोड़ किया

(संवाददाता)रांची : डेल ईएमसी, स्थानीय विनिर्माण क्षेत्र के लिए शहर-स्तरीय सेमिनारों की सीरीज के हिस्से के तौर पर, देशभर में व्यापार संगठनों के साथ सहयोग कर रहा है। इस सहयोग का लक्ष्य बढ़ते व्यावसायों को उनकी आईटी उत्पादकता में सुधार करना और साथ ही उपयोगी वर्कफोर्स के निर्माण के लिए आवश्यक तकनीक पर जरूरी जानकारी प्रदान करना है। रांची में, डेल ईएमसी ने फेडरेशन ऑफझारखंड चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआइ) के साथ सहयोग किया है। इस कार्यक्रम में काफी लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई। इस कार्यक्रम की थीम थी ... डेल ईएमसी ने एफजेसीसीआइ के साथ मिलकर सुचारू, सुरक्षित और लचीले तकनीकी समाधानों के क्रियान्वयन पर एसोसिएशन सदस्यों को संयुक्त रूप से संबोधित किया। इस सहयोग के जरिये, सभी सदस्य उनके व्यावसायों की व्यक्तिगत तकनीकी जरूरतों के समाधान के लिए ज्ञान एवं संसाधनों से बेहतर रूप से सुसज्जित होंगे। इससे उनकी उत्पादकता एवं मुनाफे में बढ़ोतरी होगी। इस कार्यक्रम में 45 अनूठे संगठनों के 55 से अधिक लोगों ने शिरकत की। श्री रजत गांगुली, रीजनल सेल्स डायरेक्टर-ईस्ट, डेल ईएमसी ने कहा, "वर्तमान में सभी प्रकार के व्यवसायों के लिए सर्वाधिक मूल्य प्रदान करने हेतु अपने परिचालन को डिजिटल बनाना आवश्यक हो गया है। इसे हासिल करने के लिए, संस्थान उन तकनीकी प्रदाताओं का रुख कर रहे हैं, जोकि ऐसे समाधान प्रदान कर सकें जो उनकी अनूठी जरूरतों को पूरा करते हैं। कई सालों से इस बाजार में उपस्थित होने के कारण, डेल विनिर्माताओं के लिए गो-टू-आईटी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर बनना चाहता है। हम ... के साथ एफजेसीसीआइ के संग हमारे सहयोग के माध्यम से स्थानीय विनिर्माण समुदाय के साथ जुड़ने के लिए तत्पर हैं। इस कार्यक्रम के दौरान एफजेसीसीआइ प्रेसिडेंट विनय अग्रवाल, ने कहा, "विकास के लिए तकनीक को अपनाना अनिवार्य है और यह भारत की प्रगति का अभिन्न हिस्सा है। हमें खुशी है कि डेल ईएमसी ने एफजेसीसीआइ के साथ सहयोग करने के लिए यह पहल शुरू की, ताकि हमें विभिन्न उत्पादों एवं समाधानों के बारे में शिक्षित किया जा सके। हमारे व्यावसायों को बदलने के लिए हम इन समाधानों एवं उत्पादों को अपना सकते हैं। रांची में विनिर्माण, छोटे पैमाने के व्यावसायों, टेक्सटाइल उद्योगों आदि में तकनीकों को अपनाने में हो रही निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में, डेल ईएमसी के लिए यहां विकास के प्रमुख अवसर की पेशकश की जाती है।

सबसे पहले इन राज्यों के पैट्रोल पंपों पर मिलेंगे एलईडी बल्ब

नई दिल्ली : देश में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देते हुए डाकघर, किराना दुकानों के बाद अब अगले महीने से पैट्रोल पंपों पर भी बिजली खपत कम रखने वाले एल.ई.डी. बल्ब, ट्यूबलाइट और पंखे उपलब्ध होंगे। यह काम फिलहाल महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के चुनिंदा पैट्रोल पंपों से शुरू होगा। उसके बाद धीरे-धीरे देशभर में सभी पैट्रोल पंपों पर ऊर्जा दक्षता बढ़ाने वाले ये उत्पाद उपलब्ध होंगे। ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए गठित कंपनी 'एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ई.ई.एस.एल.)' के प्रबंध निदेशक सौरभ कुमार ने आज यहां बताया कि मध्य प्रदेश, झारखंड, तमिलनाडु, उत्तराखंड और बिहार के डाकघरों से एल.ई.डी. उत्पादों की आपूर्ति की जा रही है। कुछ राज्यों में दूरदराज इलाकों में किराना दुकानों के जरिए भी इन्हें उपलब्ध कराया गया है।

पोपकोर्न इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड भारत में एक क्रांति ला रहा है

संवाददाता

नई दिल्ली : पोपकोर्न इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पूरे भारत के सभी राज्यों और कस्बों में सुविधा केंद्र खोल जीएसटी भरने और एकाउंट्स के लिए 10000 सुविधा केंद्र खोल रही है । यह अपनी तरह से पहली कंपनी है जो जीएसटी लागू करने में सरकार की सहायता कर रही है। ये सुविधा केंद्र लोगों के लिए रोजगार का भी जरिया बनेंगे। मुंबई की पोपकोर्न इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने पार्क कनाट प्लेस में आयोजित सेमिनार में मैनेजिंग डायरेक्टर सुमित सराफ भारत में खुलने वाले सुविधा केन्द्रों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि टैक्सवेअर जीएसटी भरनेवालों की सभी आवश्यकताओ की पूर्ति करता है। सराफ ने बताया कि उद्योगपति इस साफ्टवेयर को अपने मच्छ सिस्टम से जोड़ सकते हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अपने ग्राहकों को टैक्सवेयर की सेवा देकर इस साफ्टवेयर से फायदा उठा सकते हैं। जीएसटी नियम कैसे लागू किया जाए तथा जीएसटी को लागू करने में आने वाली दिक्कतों से कैसे निबटा जाये, यह वे अपने ग्राहकों को समझा सकते हैं। उन्होंने बताया कि नए करदाता जो जीएसटी की वजह से कर भरने के श्रेणी में आ गए है, वे तथा छोटे बड़े सभी व्यापारी भाई टैक्सवेयर के सुविधा केन्द्रों द्वारा जीएसटी भरने में आनेवाली दिक्कतों को दूर कर पाएंगे और जीएसटी रिटर्न आसानी से भर सकेंगे। पोपकोर्न इंफोटेक पूरे भारत के सभी राज्यों और कस्बो में सुविधा केंद्र खोल रहा है। पोपकोर्न इंफोटेक : सराफ ने बताया कि यह कंपनी उच्च गुणवत्ता का सोफ्टवेयर और सेवा प्रदान करती है। आज तक पूरे भारत में अपने 600 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ कंपनी सारे उद्योगपतियों को अपनी सेवा प्रदान करना चाहती है। टैक्स भरने में आनेवाली दिक्कते हो या रिटर्न भरना हो सभी का समाधान कंपनी के पास है। सुविधा केंद्र : उन्होंने बताया कि कंपनी पूरे भारत में जीएसटी भरने और एकाउंट्स के लिए 10000 सुविधा केंद्र खोल रही है यह अपनी तरह से पहली कंपनी है जो जीएसटी लागू करने में सरकार की सहायता कर रही है। सराफ ने बताया कि एक देश एक टैक्स सरकार की तरह कंपनी का भी यही ध्येय है। कंपनी 31 अगस्त 2017 तक 1000 सुविधा केंद्र खुल जायेंगे। सुविधा केंद्र जीएसटी रजिस्ट्रेशन रिटर्न भरने और एकाउंट्स के लिए डिजिटल हस्ताक्षर बार कोडिंग स्कैनिंग टैब जैसे अनेक जरियों से सुविधाएं देंगे। यह सुविधाएं सभी करदाताओं को कम कीमत पर प्रदान की जाएगी। सुविधा केन्द्रों द्वारा सभी करदाताओं को एक ही जगह पर सारी सुविधाएं मिल जाएँगी। उन्होंने बताया कि कंपनी छोटे से छोटे उपभोक्ता से लेकर बड़े से बड़े उद्योगपति सर्विस प्रोवाइडर को जीएसटी की जटिलताएं समझने में मदद करेगी बड़े उद्योगपति घरानों के अनेक जगह पर फैले कारोबार के कारन जीएसटी रिटर्न में आनेवाली दिक्कतों का समाधान कंपनी के पास है। सराफ ने बताया कि चार्टर्ड एकाउंटेंट्स जो अपने वफादार ग्राहकों जो सिर्फ उन्हींसे सेवा लेना चाहते है। इस कंपनी से जुड़कर वे सारी सुविधाएं सही तरीके से प्रदान कर सकते है। छोटे बड़े व्यापारी रिटेलर विक्रेता जो अब तक टैक्स नहीं भरते थे और जो चार्टर्ड एकाउंटेंट्स से नहीं जुड़ना चाहते है वो कंपनी से सीधे जुड़कर जीएसटी रिटर्न फाइल कर सकते है। वे अपने आसपास खुलने वाले सुविधा केन्द्रों में जा सकते है। ये सुविधा केंद्र लोगों के लिए रोजगार का भी जरिया बनेंगे। सुविधा केंद्र भारत में एक नयी क्रांति लाएंगे।